पितु मातु सहायक स्वामी सखा गुरुदेव भजन लिरिक्स

पितु मातु सहायक स्वामी सखा,
तुम ही एक नाथ हमारे हो,
जिनके कुछ और अधार नहीं,
तिनके तुम ही रखवाले हो।bd।

तर्ज – दिल लूटने वाले जादूगर।

प्रतिपाल करौ सिगरे जग को,
अतिशय करुणा उर धारे हो,
भूलें हैं हम तुम ही को तो,
हमरी सुध नहीं बिसराये हो,
पितु मातु सहायक स्वामी सखां,
तुम ही एक नाथ हमारे हो।bd।

उपकारन को कुछ अंत नहीं,
छिन ही छिन जो बिस्तारे हो,
महाराज महामहिमा तुमरी,
मुझसे बिरले बुधवारे हो,
पितु मातु सहायक स्वामी सखां,
तुम ही एक नाथ हमारे हो।bd।

शुभ शांति निकेतन प्रेम निधे,
मन मंदिर के उजियारे हो,
इस जीवन के तुम प्यारे हो,
इन प्राणन के तुम प्यारे हो,
पितु मातु सहायक स्वामी सखां,
तुम ही एक नाथ हमारे हो।bd।

तुम सो प्रभु पाइके 'शुभम् कुमार',
अब केहि के और सहारे हो,
पितु मातु सहायक स्वामी सखां,
तुम ही एक नाथ हमारे हो।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

पितु मातु सहायक स्वामी सखा,
तुम ही एक नाथ हमारे हो,
जिनके कुछ और अधार नहीं,
तिनके तुम ही रखवाले हो।bd।

सरस कथावाचक – शुभम् शास्त्री।
8081654490

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com